खबर संक्षेप

चौकीदार ने फंदे पर झूलकर दी जान

शहडोल। जिले की जनपद पंचायत बुढार के ग्राम पंचायत रूपौला में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब वन विभाग की रूपौला बीट में तैनात चौकीदार वीरेंद्र सिंह निवासी बोकरामार का शव नदी किनारे पेड़ से लटकता मिला। पिछले 2 साल से वन परिक्षेत्र केशवाही में मुस्तैद वीरेंद्र कल शाम अचानक लापता हो गया था। सुबह ग्रामीणों ने नदी की ओर शव देख सरपंच और पुलिस को सूचना दी। केशवाही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से उतरवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी के इस आत्मघाती कदम से वन महकमे में हड़कंप है। आखिर किस दबाव या मजबूरी ने उसे मौत को गले लगाने पर मजबूर किया, पुलिस हर पहलू पर बारीकी से जांच कर रही है।<

सडक़ों का बिछेगा जाल, विकास की बढ़ेगी रफ्तार

शहडोल। जिले की सडक़ों की सूरत बदलने और कनेक्टिविटी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। विकास की इसी कड़ी में शहडोल-मईका-लफदा-चुहिरी मार्ग के उन्नयन कार्य का भव्य शिलान्यास किया गया। लोक निर्माण विभाग द्वारा संचालित इस महात्वाकांक्षी परियोजना का भूमिपूजन जयसिंहनगर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह और जैतपुर विधायक जयसिंह मरावी के कर-कमलों से संपन्न हुआ।

34 किलोमीटर का सफर होगा सुगम<- क्षेत्र की जनता के लिए यह किसी सौगात से कम नहीं है। कुल 34.4 किलोमीटर लंबी इस सडक़ के कायाकल्प पर सरकार 93.50 करोड़ रुपये का भारी-भरकम बजट खर्च कर रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के तहत शुरू हो रहे इस कार्य से न केवल धूल और गड्ढों से निजात मिलेगी, बल्कि व्यापारिक गतिविधियों को भी नई ऊर्जा मिलेगी।

लोक कल्याण की दिशा में बढ़ते कदम- श्रीमती मनीषा सिंह ने हुंकार भरते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में लोक निर्माण से लोक कल्याण का संकल्प सिद्ध हो रहा है। वहीं, विधायक जयसिंह मरावी ने स्पष्ट किया कि गांवों को नगरों जैसी सुविधाओं से जोडना ही उनकी प्राथमिकता है। इस परियोजना से ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी सीधे मुख्य मार्गों से होगी, जिससे स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी आपातकालीन सेवाएं समय पर उपलब्ध हो सकेंगी।

मां के इलाज के लिए गिरवी रखे जेवर डकार गई सूदखोर

शहडोल। संभाग में ब्याज माफियाओं के हौसले किस कदर बुलंद हैं, इसका एक रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है। एक तरफ जहां सरकार और प्रशासन माफियाओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की बात करते हैं, वहीं जयसिंहनगर में एक तथाकथित एलआईसी एजेंट महिला ने बेबसी का ऐसा फायदा उठाया कि मानवीय संवेदनाएं भी तार-तार हो गईं। अपनी मरती हुई मां के इलाज के लिए एक गरीब महिला ने जो जेवर गिरवी रखे थे, उन्हें सूदखोर महिला ने हड़प लिया है और अब मूल रकम से आठ गुना ज्यादा पैसे की मांग कर रही है।

मजबूरी की आड़ में शिकार का गंदा खेल- फरियादिया शांति केवट उम्र 52 वर्ष निवासी ग्राम जमुई ने पुलिस महानिरीक्षक को सौंपे अपने शिकायती पत्र में न्याय की गुहार लगाई है। घटना साल 2016 की है, जब शांति की मां चुटवादी केवट की तबीयत बेहद खराब थी। इलाज के लिए पैसों की तंगी के कारण शांति ने अपनी जान-पहचान की सविता मिश्रा पति राजेश मिश्रा, वार्ड नंबर 12, जयसिंहनगर से मदद मांगी। सविता मिश्रा, जो खुद को पोस्ट ऑफिस और एलआईसी की एजेंट बताती है, उसने शांति की मजबूरी देखते हुए 30,000 रुपये उधार दिए। बदले में शांति ने अपने जीवन की पूरी जमापूंजी यानी सोने-चांदी के जेवर जिसमें सोने का मंगलसूत्र, 7.5 मिलीग्राम, सोने की गुरिया मढ़ी 4 नग, सोने का झुमका 5.50 ग्राम, चांदी की करधनी आधा किलो, चांदी की पायजेब 25 तोला, चांदी का छल बल 7 तोला गिरवी रख दिए।

मां भी गई और अब जेवर भी दांव पर- शांति ने बताया कि वह अपनी मां की इकलौती संतान थी। उन पैसों से इलाज तो कराया, लेकिन मां को नहीं बचा सकी। अंतिम संस्कार और क्रियाकर्म के बाद जब वह पांच महीने बाद 30,000 रुपये लेकर अपने जेवर वापस लेने पहुंची, तो सविता मिश्रा के तेवर बदल चुके थे। पहले तो चोरी का डर बताकर टालमटोल की गई और बाद में जब शांति 1.20 लाख रुपये तक लेकर पहुंची, तब भी जेवर वापस नहीं किए गए।

खाकी और गौरक्षक 'मैनेज', रसूखदारों के आगे कानून नतमस्तक !

एसईसीएल के बारूद वाले जहर ने ली 8 गौवंशों की जान

शहडोल।

जिले के सोहागपुर कोयलांचल क्षेत्र में इन दिनों न्याय की नहीं, बल्कि 'मैनेजमेंट' की गूंज है। अमलाई ओसीएम परिसर में केमिकल और बारूद युक्त जहरीला पानी पीने से 8 बेगुनाह गौवंशों की तड़प-तड़प कर हुई मौत ने पूरे जिले की रूह कंपा दी है। लेकिन शर्मनाक बात यह है कि घटना के करीब एक माह बीत जाने के बाद भी महाप्रबंधक बी.के. जेना और धनपुरी पुलिस कुंभकर्णी नींद सो रहे हैं। 29 जनवरी को हुई इस सामूहिक हत्या के मामले में आज 22 फरवरी तक एक भी एफआईआर दर्ज न होना, सिस्टम के सडऩे की गवाही दे रहा है।

जीएम बी.के. जेना की चुप्पी

क्षेत्रीय महाप्रबंधक बी.के. जेना इस पूरे मामले में मौन साधकर बैठे हैं। उनके नाक के नीचे उप क्षेत्रीय प्रबंधक पी. रमन्ना की लापरवाही ने पहले श्रमिक अनिल कुशवाहा की जान ली और अब बेजुबानों का खून बहाया, फिर भी श्री जेना की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। प्रबंधन की लापरवाही का आलम यह है कि 1 अगस्त 2022 और 2 सितंबर 2022 को भी 19 गौवंशों की मौत हुई थी, लेकिन रमन्ना और जेना की जोड़ी ने न तो खदानों की फेंसिंग कराई और न ही जहरीले पानी की निकासी का कोई समाधान निकाला।

50 हजार में हुआ खून का सौदा!

क्षेत्र में सबसे ज्यादा चर्चा उन स्वयंभू गौरक्षकों की है, जो गायों की मौत पर छाती पीटते थे। सूत्रों और चर्चाओं के अनुसार, इन तथाकथित गौरक्षकों ने एसईसीएल प्रबंधन से 50 हजार रुपये का गुपचुप लेन-देन कर मामला रफा-दफा कर दिया। इस खून की दलाली से मिले पैसों से एक नलकूप खनन करा लिया गया और गौमाता के हत्यारों को क्लीन चिट दे दी गई। आस्था का चोला पहनकर व्यापार करने वाले इन संगठनों की असलियत अब जनता के सामने उजागर हो चुकी है।

केमिकल नहीं, टैंकर से परोसा गया था 'बारूद वाला जहर'!

इस पूरे मामले में सबसे सनसनीखेज खुलासा एक वीडियो से हुआ है। पुलिस को जांच के दौरान एक पुख्ता वीडियो मिला है, जिसमें अमलाई ओसीएम के परिसर में एक टैंकर से बारूद वाला जहरीला पानी डाला जा रहा था। सीसीटीवी में वह वाहन, समय और दिनांक साफ दिख रहे हैं, जिसका पूरा रिकॉर्ड ओसीएम के गेट पर मौजूद है, लेकिन सवाल यह है कि धनपुरी पुलिस ने आज तक उस हत्यारे टैंकर को जब्त क्यों नहीं किया, क्या पुलिस पीएम रिपोर्ट का बहाना बनाकर इस जघन्य अपराध की फाइल को ठंडे बस्ते में डालना चाहती है।

पुलिस और प्रबंधन का नापाक गठबंधन

29 जनवरी को घटना हुई और आज 22 फरवरी है। एक महीने में पुलिस को न तो विसरा रिपोर्ट का पता चला और न ही टैंकर मालिक का। धनपुरी पुलिस और एसईसीएल प्रबंधन के बीच की सांठगांठ इतनी मजबूत है कि बारूद वाले पानी के वीडियो साक्ष्य होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। क्या शहडोल पुलिस कप्तान इस मामले में हस्तक्षेप करेंगे या फिर बी.के. जेना और रमन्ना का रसूख इसी तरह न्याय का गला घोंटता रहेगा?

नशे की 'सौदागरनी' गिरफ्तार 730 शीशी कफ सिरप जब्त

शहडोल। नशे के खिलाफ जंग में शहडोल कोतवाली पुलिस ने एक बार फिर अपराधियों की कमर तोड़ दी है। पुलिस ने दुर्गा कॉलोनी में चल रहे मौत के कारोबार का भंडाफोड़ करते हुए एक महिला तस्कर को दबोचा है, जबकि उसके पति, बेटे और दामाद सहित चार अन्य आरोपी पुलिस की रडार पर हैं। पुलिस ने मौके से करीब डेढ़ लाख रुपये कीमत की 730 नग नशीली कफ सिरप बरामद की है।

मुखबिर के जाल में फंसी 'लेडी डॉन'- कोतवाली पुलिस को लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि दुर्गा कॉलोनी में नशे का काला कारोबार पैर पसार रहा है। 21 फरवरी को पुख्ता मुखबिर सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने शबनम बी पति जाकिर हुसैन उर्फ बंटी के घर पर आकस्मिक दबिश दी। पुलिस की इस छापेमारी से इलाके में हडक़ंप मच गया। जब घर के पिछले हिस्से में बने टीन शेड की तलाशी ली गई, तो वहां रखी टंकियों और बक्सों के अंदर मौत का सामान यानी आनरेक्स कफ सिरप का जखीरा छिपा मिला।

घर नहीं, नशे का गोदाम था वह कमरा- तलाशी के दौरान पुलिस भी दंग रह गई। कमरे के भीतर से कुल 730 शीशी (73 लीटर) बाजार मूल्य लगभग 1,50,000 रुपये अवैध कफ सिरप जब्त की गई 04 अन्य (फरार) हैं। पूछताछ में आरोपिया शबनम ने कबूला कि वह अपने पति जाकिर हुसैन, बेटे सैफ खान, दामाद आमिल खान और रामपुर नैकिन निवासी रमेश जायसवाल के साथ मिलकर नशे का यह नेटवर्क चला रही थी। ये लोग बाहर से सस्ते दामों में सिरप लाकर शहर के युवाओं को ऊंचे दामों पर बेचकर उनकी रगों में जहर घोल रहे थे।

फरार आरोपियों की तलाश तेज- कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट और म.प्र. ड्रग कंट्रोल अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। रविवार को मुख्य आरोपिया को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। थाना प्रभारी के नेतृत्व में उप निरीक्षक विशाखा उर्वेदी, राकेश बागरी और उनकी टीम ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। पुलिस का साफ संदेश है, शहडोल की धरती पर नशे के सौदागरों के लिए कोई जगह नहीं है।

ब्यौहारी में 'कलम के सिपाही' का बड़ा कांडरिटायर्ड बाबू ने सरकारी रिकॉर्ड में की हेराफेरी

आम रास्ता बेचकर डकार लिए लाखों

शहडोल।

सरकारी नौकरी से रिटायर होने के बाद लोग सुकून की तलाश करते हैं, लेकिन ब्यौहारी तहसील कार्यालय के एक पूर्व लिपिक (बाबू) ने अपनी सेवा के दौरान हासिल किए गए अनुभव का इस्तेमाल जनता की जमीन हड़पने में लगा दिया। तहसील के पूर्व बाबू आर.बी. सिंह ने पद के रसूख और राजस्व रिकॉर्ड में सेंधमारी कर वर्षों पुराने सार्वजनिक निस्तार के रास्ते का न केवल फर्जी पट्टा अपने बेटे के नाम कराया, बल्कि उसे ऊंचे दामों पर बेच भी दिया। अब इस रास्ते पर दबंगई के दम पर निर्माण कार्य चल रहा है, जिससे इलाके के रहवासी न्याय के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं।

राजस्व रिकॉर्ड से 'छेड़छाड़' और करोड़ों का खेल

मामला वार्ड क्रमांक-05 स्थित आराजी खसरा नंबर 209/3/1/1/1/1 का है। आरोप है कि सेवानिवृत्त बाबू आर.बी. सिंह ने बड़ी चालाकी से मुख्य रीवा-शहडोल मार्ग को गोदावल मार्ग से जोडऩे वाले 12.80 फीट चौड़े रास्ते को अपने पुत्र पुष्पराज सिंह के नाम दर्ज करा लिया। इतना ही नहीं, इस फर्जी मिल्कियत को तत्काल सोनम ज्वेलर्स के संचालक विकास सोनी को बेच दिया गया। जिस रास्ते पर पिछले 45 सालों से जनता का

हक था, आज वहां विकास सोनी द्वारा ईंट-पत्थरों से घेराबंदी कर पक्का निर्माण कराया जा रहा है।

स्थगन आदेश को रद्दी समझ रहे रसूखदार

हैरानी की बात यह है कि स्थानीय निवासियों ने इस धांधली के खिलाफ तहसील न्यायालय से 2 जनवरी 2026 को स्थगन आदेश भी हासिल किया था, लेकिन रसूखदारों की पहुंच और पैसों की खनक के आगे कानून बौना साबित हो रहा है। आरोप है कि सांठ-गांठ कर इस स्थगन आदेश को ही निरस्त करा दिया गया और अब वहां दिन-रात अवैध निर्माण जारी है। स्थानीय निवासी रामकिंकर गुप्ता का कहना है कि यह रास्ता उनके पूर्वजों के समय से है, जिसके दस्तावेज 1965 से उनके पास मौजूद हैं, लेकिन भू-माफियाओं ने रातों-रात इतिहास ही बदल दिया।

मुख्यमंत्री मोहन यादव की चौखट पर न्याय की गुहार

प्रशासनिक अधिकारियों की सुस्ती और भू-माफियाओं की सक्रियता देख, पीड़ित रामकिंकर गुप्ता सहित दर्जनों ग्रामीणों ने अब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को लिखित पत्र भेजकर हस्तक्षेप की मांग की है। पीड़ितों ने मांग की है कि ब्यौहारी के बाहर के अधिकारियों की एक निष्पक्ष टीम गठित हो। बंदोबस्त खतौनी और पुराने राजस्व रिकॉर्ड की बारीकी से जांच हो। स्थानीय रहवासियों के बयान दर्ज कर बाबू के फर्जीवाड़े की पोल खोली जाए।

रक्षक ही भक्षक क्यों

जिस तहसील कार्यालय से आम आदमी न्याय की उम्मीद करता है, वहीं का एक पूर्व कर्मचारी अगर रिकॉर्ड बदलकर रास्ता बेच दे, तो शासन की साख पर सवाल उठना लाजिमी है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि अगर यह कब्जा नहीं हटा, तो वे उग्र आंदोलन को विवश होंगे। पीड़ितों ने मुख्यमंत्री से अपील की है कि दबंगों के कब्जे से सार्वजनिक रास्ता मुक्त कराया जाए और फर्जीवाड़ा करने वाले पूर्व सरकारी कर्मचारी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर जेल भेजा जाए।

हमने उक्त भूमि आर. बी.सिंह से खरीदी है, जिसकी हमारे पास वैध रजिस्ट्री है। उन्होंने किससे कब ली थी, यह हमें नहीं मालूम है।

विनोद सोनी
क्रेता विकास सोनी पिता

उक्त मामला अभी न्यायालय में विचाराधीन है, उसमें स्थगन भी हुआ था।

बृजेन्द्र मौर्य
हल्का पटवारी

फर्जी अफसर बनकर बैंक को लगाया 10 लाख का चूना, जालसाज महिला दबोची

शहडोल।

सरकारी सिस्टम में सेंध लगाकर और फर्जी दस्तावेजों के दम पर बैंकों की तिजोरी साफ करने वाले शातिर अपराधियों के खिलाफ सोहागपुर पुलिस ने सर्जिकल स्ट्राइक की है। बिजली विभाग की फर्जी लाइनमैन अटेंडेंट बनकर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से साढ़े दस लाख रुपये का एक्सप्रेस क्रेडिट लोन डकारने वाली जालसाज महिला बिशाखा दांगी को पुलिस ने नर्मदापुरम से घसीट निकाला है। ठगी की यह वारदात जितनी शातिराना थी, पुलिस की कार्रवाई उतनी ही बेखौफ और सटीक रही।

लैपटॉप पर रची गई करोड़पति बनने की साजिश

पकड़ी गई आरोपी महिला बिशाखा दांगी उम्र 36 वर्ष, जो मूलतः सागर जिले के देवरी की रहने वाली है, उसने शॉर्टकट से अमीर बनने के लिए खाकी और कलम दोनों को चुनौती दी थी। पूछताछ में खुलासा हुआ कि महिला ने फरवरी 2025 में अपने घर बैठे-बैठे लैपटॉप पर एमपीईबी (बिजली विभाग) के पुराने आदेशों को डाउनलोड किया। एडिटिंग के खेल में माहिर इस महिला ने खुद को अनूपपुर कार्यालय में लाइनमैन अटेंडेंट के पद पर नियुक्त दर्शाते हुए कूटरचित (फर्जी) ज्वाइनिंग लेटर और पे-स्लिप तैयार कर ली।

एसबीआई की कुदरी रोड शाखा को बनाया निशाना

ठगी के इरादे से महिला ने एसबीआई की कुदरी रोड (बस स्टैंड) शाखा में दस्तक दी। बैंक अधिकारियों की आंखों में धूल झोंकने के लिए उसने न केवल फर्जी नियुक्ति पत्र दिखाया, बल्कि आईसीआईसीआई बैंक का फर्जी स्टेटमेंट और जाली ऑफर लेटर भी पेश किया। बैंक महिला के बिछाए जाल में फंस गया और देखते ही देखते 10,50,500 रुपये का भारी-भरकम लोन पास कर दिया गया। रकम हाथ में आते ही फर्जी मैडम रफूचक्कर हो गई और किश्तें जमा करना बंद कर दिया।

सागर से नर्मदापुरम तक पीछा

जब बैंक मैनेजर क्रांति कुमार साहू को इस महाठगी का अहसास हुआ, तो उन्होंने 2 सितंबर 2025 को थाना सोहागपुर में मामला दर्ज कराया। थाना प्रभारी अरुण पाण्डेय के नेतृत्व में गठित स्पेशल टीम ने इस केस को चुनौती के रूप में लिया। तकनीकी साक्ष्यों और सायबर सेल की मदद से पुलिस ने महिला का पीछा सागर, भोपाल और अंततः नर्मदापुरम तक किया। 21 फरवरी 2026 को पुलिस ने नर्मदापुरम स्थित एक किराए के मकान में दबिश देकर इस लेडी जालसाज को धर दबोचा।

अंधेरे में रहेंगे बाकी मददगार

महिला ने अकेले दम पर इतनी बड़ी कागजी हेराफेरी कैसे की, पुलिस अब इस बिंदु पर भी जांच कर रही है। क्या बैंक के भीतर या बाहर कोई और मास्टरमाइंड इस खेल में शामिल था? फिलहाल आरोपी महिला को सलाखों के पीछे भेज दिया गया है। इस सफलता में सोहागपुर थाना प्रभारी अरुण पाण्डेय, सउनि संतोष कोल, प्रआर. राजकुमार जायसवाल, मुकेश पटेल और महिला आरक्षक मेनका धूमकेत की भूमिका रही, जिन्होंने सैकड़ों किलोमीटर दूर से शातिर अपराधी को ढूंढ निकाला।

मिलावटी मिठाइयों पर सख्त जांच की मांग

नौरोजाबाद।

होलिका दहन 3 मार्च को तथा रंगों का पर्व होली 4 मार्च को मनाया जाएगा। त्योहार को देखते हुए नगर में होटलों, मिठाई दुकानों और ठेलों पर बिक रही खोवा, दूध से बनाए जाने वाली दूध मलाई से बनी मिठाइयों तथा भंग युक्त उत्पादों की सघन जांच की मांग उठी है। नागरिकों का कहना है कि पर्व के समय सस्ते दाम में बिकने वाली मिठाइयों और नमकीन में मिलावट की आशंका बढ़ जाती है, जिससे आमजन के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

खाद्य सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई आवश्यक

खाद्य पदार्थों की शुद्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार राज्य के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की होती है। खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत मिलावटी, अशुद्ध या स्वास्थ्य के लिए हानिकारक खाद्य सामग्री का निर्माण और विक्रय दंडनीय अपराध है। कानून में दोषी पाए जाने पर जुर्माना और कारावास दोनों का प्रावधान है। आनगरवासियों ने मांग की है कि सभी मिठाई दुकानों, डेयरी, होटलों एवं अस्थायी ठेलों से खोवा, दूध और भंग युक्त मिठाइयों के नमूने लेकर जांच की जाए। बिना पंजीयन संचालित दुकानों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। सस्ते दाम पर बिक रही नमकीन, सलोनी और अन्य खाद्य सामग्री की भी गुणवत्ता जांच हो। रंगों में मिलावट या हानिकारक रसायन की रोकथाम हेतु बाजार की निगरानी की जाए।

त्योहार की खुशियों में न घुले मिलावट का जहर

होलिका दहन और होली आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का पर्व है। ऐसे में प्रशासन, नगर परिषद और संबंधित विभागों से अपेक्षा है कि वे विशेष जांच अभियान चलाकर आमजन के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करें।जनस्वास्थ्य सर्वोपरि है। त्योहार की मिठास बनी रहे, इसके लिए मिलावटखोरों पर सख्त कार्रवाई समय की मांग है।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आराजी खसरा क्रमांक 1941 का जज भाग 100×110 = 11,000 वर्गफुट, स्थित धनपुरी, राजकुमार बजाज एवं मनोज बजाज द्वारा क्रय की गई उक्त भूमि वर्तमान में विवादित है। इस संबंध में माननीय उच्च न्यायालय में याचिका क्रमांक 7383/2025 विचाराधीन है।

अतः प्रकरण के अंतिम निर्णय तक कोई भी व्यक्ति उक्त भूमि का क्रय-विक्रय न करे। ऐसा करने पर वह स्वयं उत्तरदायी होगा तथा विक्रय राजकुमार बजाज एवं मनोज बजाज के अधिकारों के विरुद्ध शून्य माना जाएगा।

यह सूचना राजकुमार बजाज एवं मनोज बजाज की ओर से सर्वसाधारण की जानकारी हेतु जारी की जाती है।

वकील
आनंद कुमार जैन, अधिवक्ता
मस्जिद रोड, बुढ़ार, जिला शहडोल (म.प्र.)
मो. 9425473382

खबर संक्षेप

वॉश ऑन व्हील के क्रियान्वयन में शहडोल जिला अग्रणी

शहडोल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपाली रस्तोगी द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापित को शहडोल जिले में वॉश ऑन व्हील के नवाचार का प्रभावी संचालन एवं उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान कर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया। गौरतलब है कि कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के कुशल नेतृत्व एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति के निर्देशानुसार शहडोल जिले में वॉश ऑल व्हील का प्रभावी क्रियान्वयन किया गया। जिला समन्वयक स्वच्छता मिशन दिनेश मिश्रा ने बताया कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू एवं संस्थागत शौचालयों की साफ-सफाई हेतु ऑनलाइन मांग एवं सेवा सुविधा आधारित स्वच्छता साथी एवं वॉश ऑन व्हील कार्यक्रम प्रारंभ किया गया जिसमें अभी तक लोगो द्वारा 2737 बुकिंग की गई एवं 252878 रूपये की आय प्राप्त हुई।

विश्वविद्यालय में तनाव मुक्ति का महामंच

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में ज्ञान और कौशल के नए युग का सूत्रपात हुआ है। पीएम उषा स्कीम के तहत आयोजित पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का जोरदार आगाज हुआ, जिसका केंद्र स्ट्रेस मैनेजमेंट, कॉनफ्लिक्ट हैंडलिंग और टीम बिल्डिंग जैसे ज्वलंत विषय हैं। कुलगुरु प्रो. राम शंकर ने अपने धारदार संबोधन में आधुनिक मानसिक चुनौतियों का समाधान वैदिक परंपरा में खोजा। उन्होंने दो-टूक कहा कि आज के भागदौड़ भरे शैक्षणिक माहौल में तनाव को मात देने के लिए प्राणायाम, योग और ध्यान ही एकमात्र रामबाण हैं। कुलगुरु ने प्राचीन मनीषियों के मार्ग पर चलने का आह्वान करते हुए प्राध्यापकों को मानसिक रूप से सशक्त बनने का मंत्र दिया। कार्यक्रम में प्रो. प्रवीण शर्मा, प्रो. अमित निगम और पीएम उषा प्रभारी डॉ. रचना दुबे की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को नई ऊंचाई दी। क्रिस्प भोपाल से आए विषय विशेषज्ञ डॉ. के.के. पटेरिया, अंकित कुमार गौर और डॉ. संस्मृति मिश्रा ने ट्रेनिंग सेशन के जरिए टीम बिल्डिंग के गुर सिखाए। कार्यक्रम का सफल संचालन संयोजिका डॉ. योगिता बसेने ने किया, जबकि डॉ. रुचि सिंह ने आभार व्यक्त किया। इस भव्य आयोजन में विश्वविद्यालय के समस्त विभागों के प्राध्यापकों ने सहभागिता कर भविष्य की चुनौतियों के लिए कमर कसी।

मालाचुआ में क्रिकेट का महाकुंभ, 32 पंचायतों के बीच मचेगा घमासान

उमरिया। खेल के मैदान से ही अनुशासन और जीत का जज्बा पैदा होता है। इसी बुलंद इरादे के साथ विकासखंड पाली के मालाचुआ में ग्राम पंचायत मालाचुआ और जेएसडब्ल्यू सीमेंट के साझा सहयोग से पंचायत स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट का शंखनाद हो गया है। इस टूर्नामेंट की भव्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें उमरिया जिले की करीब 32 ग्राम पंचायतों की टीमें अपना दमखम दिखाने उतरी हैं।

मालाचुआ और शाहपुर के बीच कांटे की टक्कर- टूर्नामेंट का आगाज जेएसडब्ल्यू सीमेंट के प्रमुख संतोष राजपूत, सरपंच मोहन बैगा और आयोजन समिति के अध्यक्ष दलबीर सिंह ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन मुकाबला मालाचुआ और शाहपुर के बीच खेला गया, जिसमें खिलाड़ियों का जोश सातवें आसमान पर नजर आया। इस मौके पर जेएसडब्ल्यू के अधिकारी प्रतीक सिंह, अमित तौमर, सुशील कुमार और क्षेत्रीय सरपंचों ने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ मैदान फतह करने की सीख दी।

6 मार्च को होगा रण का फैसला- आयोजन समिति ने स्पष्ट किया कि यह केवल हार-जीत का खेल नहीं, बल्कि ग्रामीण युवाओं की प्रतिभा को तराशने का एक सख्त मंच है। जेएसडब्ल्यू सीमेंट और पंचायत की यह पहल युवाओं को नशे और भटकाव से दूर कर अनुशासन की पिच पर लाने की एक सोची-समझी रणनीति है।

स्वास्थ्य विभाग के संरक्षण में संचालित नियम विरुद्ध पैथोलॉजी

मरीजों की जिंदगी भगवान के रहमों करम पर

कटघरे में अधिकारियों की कार्य प्रणाली

ग्रामीण क्षेत्र में इन दिनों प्रतिदिन सैकड़ो मरिज अवैध पैथोलॉजी के जाल में फंसकर आर्थिक शोषण का शिकार हो रहे हैं अवैध पैथोलॉजी के कारोबार से समाज के नामी ग्रामीण लोग भी शामिल हैं लिहाजा उनके खिलाफ प्रशासन कार्रवाई करने से कतराता है मरीजों की जिंदगी पूरी तरह भगवान के रहमों करम पर निर्भर है।

मानपुर।

जनपद मुख्यालय के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का हाल बेहाल है, वहीं दूसरी तरफ झोलाछाप डॉक्टरों की वजह से मरीजों की जान आफत में है ना केवल डॉक्टर बल्कि पैथोलॉजी और एकसरे का बोर्ड लगाकर ताला बांधवगढ़ में फर्जीवाड़े का खेल चल रहा है, झुग्गी झोपडिय़ों तक में डॉक्टर के बोर्ड लगे हुए हैं, जहां मरीजों का आर्थिक शोषण जारी है ताला (बांधवगढ़)मुख्यालय में ही खून जांच सहित अन्य जांचों के नाम पर टैक्निशयनो ने दुकान खोल रखी है।

मरीजों पर आर्थिक दबाव

ताला बस स्टैंड के आगे पेट्रोल पंप स्थित प्रतिमा पैथॉलाजी लैब के द्वारा चिकित्सकों के सहारे चल रही अधिकांश चिकित्सक मरीज को रक्त या अन्य जांच करने के लिए मजबूर कर देते हैं जहां जरूरत ना हो वहां भी पैथोलॉजी जांच करना अब चिकित्सकों की आदत बन गई है, जिसका आर्थिक दबाव मरिज पर पड़ता है, मानपुर जनपद मुख्यालय के ताला बांधवगढ़ में रामबहादुर यादव नामक व्यक्ति द्वारा प्रतिमा पैथोलॉजी का संचालन ताला बस स्टैंड के आगे पेट्रोल पंप के पास संचालित है जो नियमों के विरुद्ध संचालित हो रहा है जबकि प्रतिमा पैथॉलाजी के नाम बोर्ड लगा है और लैब में रामबहादुर यादव बैठते हैं, जो की नियम विरुद्ध है, उसी का फायदा उठाकर रामबहादुर यादव नियम विरुद्ध प्रतिमा पैथोलॉजी का संचालन कर रहे हैं लेकिन जिम्मेदार जानकर भी अनजान हैं।

किराए की डिग्री

स्वास्थ्य विभाग ने जिले में संचालित पैथोलॉजी लैबों की खुली छूट दे रखी है, सुप्रीम कोर्ट के नए नियम के अनुसार पैथोलॉजी लैब चलाने के लिए अब सिर्फ एमडी पैथोलॉजिस्ट ही मानय होंगे, लेकिन इसके उलट बी फार्मा वा गायनोकोलॉजी डिग्री वाले लैब चला रहे हैं सूत्रों की माने तो कथित लैब संचालक द्वारा लगाई गई डॉक्टर की डिग्री किराए पर लेकर संचालित की जा रही है खबर है कि उक्त डाक्टर की डिग्री के द्वारा कई पैथोलॉजी संचालित हो रही है।

यह कहती है गाइडलाइन

मध्य प्रदेश शासन व इंडियन मेडिकल काउंसिल के नियमों व प्रावधानों के अनुसार नियमानुसार पैथोलॉजी लैब का संचालन नहीं करने पर संचालकों पर एफआईआर करने के साथ कानूनी धाराएं लगाकर कार्यवाही करने का प्रावधान है, वहीं सुप्रीम कोर्ट और मेडिकल काउंसिल के अनुसार मेडिकल साइंस में विशेषज्ञ भी वही कहलाएगा जो एमबीबीएस के बाद पीजी डिग्री या डिप्लोमाधारी हो स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर अवैध लैब को प्रतिबंधित करने कितने कारगर कदम उठाए गए हैं, यह लैबों के संचालन तथा विभाग के दस्तावेजों को देखकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

जिम्मेदार मीटिंग में व्यस्त

मानपुर जनपद मुख्यालय सहित अन्य ग्रामीण अंचलों में नियमों की विपरीत पैथोलॉजी का संचालन हो रहा है, इसके अलावा झोलाछाप सहित अन्य किसी बात को लेकर स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार जवाब देने से बचने के नए-नए बहाने निकालते रहते हैं जब इस संबंध में विकासखंड अधिकारी से जानकारी चाहने की कोशिश की गई तो, उनके द्वारा फोन उठाना उचित नहीं समझें।

नगर परिषद के नागरिकों को आ रहे लाखों रुपये टैक्स के मैसेज अध्यक्ष ने दिए जांच के निर्देश

मानपुर। नगर परिषद क्षेत्र में इन दिनों संपत्ति कर के भारी-भरकम बकाया राशि संबंधी मोबाइल संदेशों ने नागरिकों में खलबली मचा दी है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग की ओर से भेजे जा रहे इन संदेशों में दर्शाई गई रकम लोगों के होश उड़ा रही है। कई नागरिकों को 2 लाख, 7 लाख से लेकर 10 लाख रुपये से अधिक की बकाया राशि जमा करने के नोटिस प्राप्त हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जितनी राशि कर के रूप में बताई जा रही है, उतनी मूल्य की संपत्ति ही उनके पास नहीं है। अचानक इतने बड़े कर की मांग से आम नागरिकों में आक्रोश और असमंजस की स्थिति बन गई है।

अध्यक्ष ने दिए जांच के निर्देश

वही मानपुर नगर परिषद के अध्यक्ष श्रीमती भारती सतीश सोनी ने कहा कि उचित कर का होगा निर्धारण कुछ समय पहले एक एजेंसी द्वारा नगरीय क्षेत्र अंतर्गत घर-घर जाकर जीआईएस सर्वे किये गये थे। ऐसा लगता है कि सर्वे में एरिया अधिक फीड किये जाने से यह स्थिति निर्मित हुई है। उसी आधार पर कम्प्यूटर जनरेटेड मैसेज मोबाइल पर आ रहे हैं।

इस पूरे मामले की जांच के आदेश दिये गये हैं। नागरिकों की वास्तविक प्रॉपर्टी के अनुसार उचित कर निर्धारण किया जायेगा।

श्रीमती भारती सतीश सोनी
अध्यक्ष

बुजुर्गों के सम्मान में न्याय और सेवा का संगम

कल्याणपुर वृद्धाश्रम में गूंजी अपनों की दस्तक

शहडोल।

समाज के उस तबके के लिए, जिसे अक्सर अपनों ने ही भुला दिया है, न्याय विभाग और स्वास्थ्य विभाग एक मसीहा बनकर सामने आया है। संभागीय मुख्यालय के कल्याणपुर स्थित वृद्धाश्रम में सदस्य सचिव सुश्री सुमन श्रीवास्तव एवं प्रधान जिला न्यायाधीश के.एन. सिंह के गरिमामयी सानिध्य में एक विशाल मेडिकल कैम्प और विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि उपेक्षित बुजुर्गों के जख्मों पर मरहम लगाने की एक मानवीय कोशिश थी।

सेहत की सुरक्षा और अधिकारों की गूंज

शिविर में वृद्धाश्रम के निवासियों सहित क्षेत्र के कुल 32 बुजुर्गों का गहन स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। डॉ. किशोर सिंह की टीम ने न केवल उनका उपचार किया, बल्कि निःशुल्क दवाओं का वितरण भी किया। इस दौरान अधिकारियों ने बुजुर्गों के बीच बैठकर उनके पोषण और आहार की जानकारी ली, जिससे उन्हें परिवार जैसा अहसास हुआ। फल और खाद्य सामग्रियों के वितरण ने इस आयोजन में सेवा का भाव और गहरा कर दिया।

अधिकारों का हथियारः अब नहीं सहेंगे अपमान

विधिक सेवा प्राधिकरण ने बुजुर्गों को वरिष्ठ नागरिक योजना 2016 और भरण-पोषण अधिनियम 2007 की ताकत से रूबरू कराया। न्यायाधीशों ने दो-टूक शब्दों में निर्देश दिए कि पैरालीगल वॉलंटियर्स गांव-गांव जाकर पात्र वृद्धों को जागरूक करें और उनके पुनर्वास के लिए सक्रिय प्रयास करें। इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी देवेन्द्र सिंह परस्ते, चीफ डिफेंस काउंसिल कुंज बिहारी द्विवेदी सहित नर्सिंग स्टाफ और प्राधिकरण का अमला मुस्तैद रहा। प्रशासन की इस सक्रियता ने स्पष्ट कर दिया है कि उम्र के आखिरी पड़ाव पर खड़े इन बुजुर्गों को लावारिस नहीं छोड़ा जाएगा।

जर्जर सड़क व गड्ढों के कारण आए दिन घटित हो रही दुर्घटनाएं

हरिभुमि न्यूज कोतमा।

राष्ट्रीय राजमार्ग 43 से होकर बिजुरी की ओर जाने वाली सड़क जर्जर हालत में है सड़क में कई गड्ढे हो गए हैं जिसके कारण लोगों को आवागमन करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जर्जर सड़क एवं गढ्ढों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है। बता दे की राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 बेलिया फाटक फ्लाई ओवर के पास से बिजुरी की ओर जाने वाली सड़क जैसे ही राष्ट्रीय राजमार्ग से बेलिया फाटक की ओर सड़क में प्रवेश करेंगे वैसे ही सड़क जर्जर हो गई है सड़क में जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं जबकि इसी मार्ग से मध्य प्रदेश शासन के मंत्री दिलीप जायसवाल अपने निवास बिजुरी आना-जाना करते हैं उसके बाद भी लोक निर्माण विभाग के द्वारा सड़क की मरम्मत कार्य कराये जाने की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इस संबंध में जब हरिभुमि की टीम ने मध्य प्रदेश शासन के मंत्री दिलीप जायसवाल पूर्व मे चर्चा की थी तो उनका कहना था कि मेरे द्वारा जिला कलेक्टर को जर्जर सड़क की स्थिति से अवगत कराया गया था साथ ही जिला कलेक्टर को पत्राचार भी किया गया है। सड़क अत्यंत जर्जर हो गई है सड़क में जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं जिसके कारण आमजन को आवागमन करने में परेशानी का सामना करना पड़ता है सड़क में गड्ढे हो जाने के कारण वाहन चालकों को भी परेशानी होती है आए दिन दो पहिया वाहन चालक चोटिल भी हो रहे हैं। नागरिकों ने जर्जर सड़क के मरम्मत कार्य करवाये जाने प्रशासन से मांग की है।

कोतमा में गायत्री परिवार की संगोष्ठी सम्पन्न, 16 सदस्यीय तहसील समन्वय समिति का गठन

हरिभुमि न्यूज कोतमा। 22 फरवरी को शिव मंदिर प्रांगण, कोतमा में गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार शाखा तहसील कोतमा द्वारा एक प्रेरणादायी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक गायत्री मंत्र जाप से हुआ, जिसके पश्चात भक्ति गीतों की प्रस्तुति से वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो गया। संगोष्ठी में संगठनात्मक विस्तार, संस्कार जागरण, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति अभियान एवं आदर्श ग्राम निर्माण जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। तत्पश्चात सर्वसम्मति से 16 सदस्यीय तहसील समन्वय समिति का नवीन गठन किया गया। समिति में विजय कुमार जयसवाल, डॉ. नितिन सहारिया, रघुवंश नागेश, रविकांत प्रजापति, रामेश्वर कंवर, श्रीमती करुणा गुप्ता, श्रीमती अंजलि प्रजापति, सुखीराम प्रजापति, गुलाब रजक, नीलम माही, राज कुमार पटेल, शिवेन्द्र सिंह सेंगर, श्रीमती अनुराधा सहारिया, सतीश गुप्ता, संतोष गुप्ता एवं शिव कुमार सिंह, चिंतामणि को विभिन्न दायित्व सौंपे गए। इन्हें साधना-स्वाध्याय, पर्यावरण एवं जल संरक्षण, शिक्षा व बाल संस्कार, स्वावलंबन-प्रशिक्षण तथा नशामुक्ति एवं आदर्श ग्राम अभियान जैसे विभागों की जिम्मेदारी दी गई। समिति का कार्यकाल तीन वर्ष निर्धारित किया गया है। उक्त समिति के पुनर्गठन में जेपी सिंह उपजोन समन्वयक अमरकंटक गायत्री शक्तिपीठ उपजोन की अध्यक्षता में संपन्न हुई। अंत में सभी सदस्यों ने संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने और युग निर्माण के कार्यों को गति देने का संकल्प लिया।

विद्यालयों में स्वास्थ्य जागरूकता का सशक्त अभियान

हरिभुमि न्यूज अनूपपुर।

जिला में आयुष्मान भारत आयुष्मान भारत "उमंग" स्कूल हेल्थ एवं वेलनेस कार्यक्रम तथा राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत माध्यमिक शिक्षकों का तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण 21 से 23 फरवरी 2026 तक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान अनूपपुर में आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कलेक्टर हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन में संपन्न हो रहा है। प्रथम दिवस पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अल्का तिवारी की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सत्रों में किशोर-किशोरियों के पोषण, एनीमिया नियंत्रण, माहवारी प्रबंधन, स्वस्थ जीवनशैली एवं समग्र स्वास्थ्य विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्री-टेस्ट, जीवन कौशल शिक्षा, समूह गतिविधियाँ, डेमो सत्र, प्रस्तुतियाँ एवं फीडबैक के माध्यम से शिक्षकों की सहभागिता सुनिश्चित की गई। द्वितीय दिवस पर मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य, संचार कौशल तथा जेंडर संवेदनशीलता जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा सहभागितापूर्ण प्रशिक्षण दिया गया। रोल प्ले एवं समूह अभ्यासों से व्यवहारिक समझ विकसित की गई। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को हेल्थ एवं वेलनेस एम्बेसेडर के रूप में तैयार कर विद्यालय स्तर पर किशोरों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य शिक्षा, परामर्श एवं जीवन कौशल मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। जिला प्रशासन की यह पहल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं स्वस्थ भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

जागृति महिला समिति गरीब परिवार की बेटी के विवाह में सम्मिलित होकर दिए उपहार

हरिभुमि न्यूज कोतमा।

एसईसीएल हसदेव क्षेत्र की जागृति महिला समिति द्वारा न्यू लेदरी में सामाजिक सेवा कार्य करते हुए समाज के प्रति अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता एवं नैतिक दायित्व का निर्वहन करते हुए अनुसूचित जनजाति के गरीब परिवार की बेटी के विवाह के विवाह मे सम्मिलित होकर कन्या को उनके वैवाहिक जीवन के मंगलमय शुरुआत के लिए गृह-उपयोगी सामग्री ससम्मान अर्पित की गई। यह सेवा-कार्य न केवल परोपकार की भावना का द्योतक है, अपितु सामाजिक समरसता, सहानुभूति एवं मानवीय संवेदना का सशक्त उदाहरण भी है। जागृति महिला समिति की अध्यक्ष डॉ. श्रीमती सरोज बाला बिश्नोई के नेतृत्व में संपन्न इस कार्यक्रम में कन्या को पलंग, गद्दा, ग्लास, कटोरियाँ, करछुल, कड़ाही, गंजी सामान रखने की टोकनी, मिक्सी, कुकर, जग, लोटा, छह थालियाँ, साड़ियां एवं सोहाग पोटली प्रदान किया गया। यह समस्त सामग्री नव दंपति के गृहस्थ जीवन की आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए सुविचारित रूप से प्रदान की गई, जिससे दोनों परिवारों के लिए यह अवसर और अधिक सुखद एवं सम्मानजनक बन सका। कन्या की माता राधा देवी ने जागृति महिला समिति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे लोकहितकारी प्रयास समाज में सद्भाव, करुणा एवं आत्मीयता के मूल्यों को सुदृढ़ एवं स्थायी बनाते हैं। हम जागृति महिला समिति के प्रति आभारी हैं। समिति की सदस्यों के सहयोग, समर्पण एवं संगठित प्रयासों से यह पुनीत सेवा कार्य सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। समिति द्वारा भविष्य में भी समाजोपयोगी एवं जनकल्याणपरक गतिविधियों को निरंतर गति प्रदान करने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष डॉ. श्रीमती सरोज बाला बिश्नोई, रूना मित्रा एवं समिति की सदस्य शामिल रही।

खबर संक्षेप

25 को पंचम दीक्षांत समारोह राज्यपाल की मौजूदगी में शहडोल रचेगा इतिहास

शहडोल। विंध्य की धरा पर शिक्षा का सबसे बड़ा उत्सव दस्तक देने को तैयार है। पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय का पंचम दीक्षांत समारोह आगामी 25 फरवरी 2026 को नवलपुर परिसर में आयोजित होने जा रहा है। यह केवल एक शैक्षणिक आयोजन नहीं, बल्कि उन हजारों युवाओं के सपनों की उड़ान का दिन है जिन्होंने अपनी मेहनत से डिग्रियों और स्वर्ण पदकों पर अपना नाम अंकित किया है।

कुलाधिपति की अध्यक्षता में गूंजेगी ज्ञान की शपथ- समारोह की गरिमा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसकी अध्यक्षता स्वयं मध्य प्रदेश के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मंगुभाई पटेल करेंगे। उनके हाथों मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे, जो उनके जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद हिमाद्री सिंह सहित विधायक जय सिंह मरावी, मनीषा सिंह और शरद कोल की मौजूदगी इसे और भी खास बनाएगी।

सेना के पूर्व महानिदेशक देंगे सफलता का मंत्र- इस बार दीक्षांत उद्बोधन के लिए सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल अनुप बनर्जी (पूर्व महानिदेशक, आम्ड फोर्सेज मेडिकल कोर) को आमंत्रित किया गया है। उनका अनुभव और मार्गदर्शन भविष्य के कर्णधारों में राष्ट्र सेवा का जज्बा फूंकेगा। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राम शंकर द्वारा छात्र-छात्राओं को दीक्षांत शपथ दिलाई जाएगी, जो उन्हें समाज के प्रति उनकी नैतिक जिम्मेदारियों का बोध कराएगी।

नवलपुर परिसर में उत्सव की तैयारी - विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह आयोजन राष्ट्र निर्माण के संकल्प का प्रतीक है। तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा चुका है और पूरा नवलपुर परिसर दुल्हन की तरह सज रहा है। विश्वविद्यालय ने सभी आमंत्रित अतिथियों, अभिभावकों और विद्यार्थियों से अपील की है कि वे समय की मर्यादा का पालन करते हुए ठीक 11 बजे अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराएं। यह दिन केवल उपाधि वितरण का नहीं, बल्कि शहडोल की बौद्धिक क्षमता के प्रदर्शन का है।

जनगणना 2027 का काउंटडाउन शुरू

शहडोल। राष्ट्र के भविष्य और विकास की रूपरेखा तय करने वाली जनगणना 2027 को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी कमर कस ली है। कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में आयोजित दो दिवसीय गहन प्रशिक्षण शिविर में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने अधिकारियों और ऑपरेटरों को सख्त लहजे में हिदायत दी कि वे इस राष्ट्रीय कार्य को महज कागजी खानापूर्ति न समझें। कलेक्टर ने दोटूक कहा कि प्रशिक्षण में दी जा रही एक-एक बारीक जानकारी को आत्मसात करें, क्योंकि फील्ड पर एक भी चूक पूरी प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है।

मकानों की नंबरिंग और सूचीकरण का महाभियान- जिले में जनगणना का पहला चरण 01 मई 2026 से 30 मई 2026 तक चलेगा। इस दौरान जिले के हर ढांचे, हर मकान और हर झोपड़ी को नंबर दिया जाएगा। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि गणना ब्लाक की सीमाओं के भीतर एक भी भवन छूटना नहीं चाहिए। चाहे वह घनी बस्ती हो या दूर-दराज का सूनसान इलाका, प्रगणकों को हर घर की दहलीज तक पहुंचना अनिवार्य होगा।

मोबाइल ऐप से होगी डिजिटल निगरानी- डायरेक्टर जनगणना आशीष श्रीवास्तव ने मास्टर ट्रेनर की भूमिका निभाते हुए बताया कि इस बार प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए तकनीक का भरपूर उपयोग किया जा रहा है। एचएलओ मोबाइल ऐप के माध्यम से चार अंकों का जनगणना मकान नंबर अलॉट किया जाएगा, जिसे घर के मुख्य द्वार पर अनिवार्य रूप से अंकित करना होगा।

नियमों की सख्ती: किसे गिनें, किसे छोड़ें- प्रशिक्षण में नियमों की धार को स्पष्ट करते हुए बताया गया कि उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व के क्रम में ही भवनों को नंबर दिए जाएंगे। यदि दो मकानों (जैसे 10 और 11) के बीच कोई नया मकान मिला, तो उसे 10/1 का नंबर दिया जाएगा। केवल सामान्य और संस्थागत परिवारों के सदस्यों की गिनती होगी। आकस्मिक मेहमानों और विदेशी राजनयिकों को इस गणना से बाहर रखा जाएगा। स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थलों पर अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया जाए।

आजाद चौक में जला पुतला भागीरथपुरा की घटना पर इस्तीफे की मांग

मंत्रियों के खिलाफ सड़कों पर कांग्रेस

पुलिस से हल्की झड़प के बीच नारेबाजी

प्रदेश स्तर पर घोषित विरोध कार्यक्रम के तहत शुक्रवार शाम शहर का आजाद चौक राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र बना रहा। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के आह्वान पर आयोजित इस प्रदर्शन में भाजपा सरकार के तीन मंत्रियों के पुतले दहन किए गए।

धनपुरी।

कार्यक्रम जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अजय अवस्थी के निर्देश तथा ब्लॉक कांग्रेस बुढार अध्यक्ष अंकित सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ।कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भागीरथ पुरा क्षेत्र में दूषित जल से हुई मौत की घटना को लेकर सरकार को कठघरे में खड़ा किया। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रशासनिक लापरवाही और जिम्मेदार मंत्री की उदासीनता के कारण यह दुखद घटना हुई, इसलिए नैतिक आधार पर संबंधित मंत्री को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए।प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाए और पुतलों को आग के हवाले किया। इस बीच पुलिस बल मौके पर पहुंचा और आग बुझाने वाले यंत्र से लपटों को नियंत्रित करने का प्रयास किया। कुछ देर तक हल्का तनाव का माहौल बना रहा, लेकिन स्थिति नियंत्रण में रही।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह आंदोलन जनभावनाओं से जुड़ा है और जब तक दोषियों पर कार्रवाई नहीं होगी, पार्टी चरणबद्ध आंदोलन जारी रखेगी। वहीं कुछ कार्यकर्ताओं ने धनपुरी मंडलम कांग्रेस की अनुपस्थिति पर असंतोष भी व्यक्त किया।प्रदर्शन में नगर पालिका उपाध्यक्ष हनुमान खंडेलवाल सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रमुख रूप से राम सिंह, आनंद मोहन जायसवाल, अनिल सिंह, अनिल जायसवाल, इकबाल अहमद, नीलम सिंह, नेहा खान, फरीद, कमलेश, अनुज सिंह, जुल्फिकार अली, विम्मी पटेल, राजा खान, विमल सिंह, नौसेना खान, आरिफ अंसारी, बंटी महतो, फैज खान, प्रदीप रावत, विनय रजक, पुरुषोत्तम नापित, श्रीमती सुजाता बैरागी, इकराम, अमन, हामिद, विजय पांडे, सुमित पांडे, हर्षित द्विवेदी, आशीष, पार्षद कमलेश, मोहन बैगा, पार्षद शंभू, अभिषेक सिंह, मंमू, राजेश यादव, प्रशांत जैन और सुनील सोनी उपस्थित रहे।

सोहागपुर एरिया के महाप्रबंधक वी.के.जेना के मेहनत रंग लाई -सशक्त नेतृत्व और तेज निष्पादन: सोहागपुर एरिया में आरकेटीसी का काम बना मिसाल-कोयले उत्पादन के लिए एक कदम मात्र दूर

धनपुरी।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड (एसईसीएल) के सोहागपुर एरिया अंतर्गत अमलाई ओसीएम परियोजना आज प्रबंधन दक्षता, तकनीकी क्षमता और नेतृत्व की मिसाल बन चुकी है। जिस संगठित रणनीति और तीव्र गति से यहां ओवी (ओवरबर्डन) हटाने और कोयला निकासी का कार्य आगे बढ़ रहा है, वह क्षेत्रीय औद्योगिक परिदृश्य को नई दिशा देने वाला साबित हो रहा है।महाप्रबंधक वी.के. जेनाः निर्णायक नेतृत्व, स्पष्ट विजनसोहागपुर एरिया के महाप्रबंधक वी.के. जेना की कार्यशैली इस परियोजना की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी है। नियमित समीक्षा, त्वरित निर्णय और फील्ड स्तर पर सशक्त समन्वय ने अमलाई ओसीएम को नई ऊर्जा दी है।प्रबंधन सूत्रों का कहना है कि जेना का स्पष्ट विजन — "समयबद्ध उत्पादन, पारदर्शी कार्यप्रणाली और सतत विकास" — परियोजना की सफलता का आधार है। उनकी सक्रियता के कारण तकनीकी और प्रशासनिक चुनौतियों का समाधान तत्काल हो रहा है, जिससे कार्य में निरंतरता बनी हुई है।23 लाख क्यूबिक मीटर ओवी हटाकर कोयला सीम तक पहुंची आरकेटीसीपरियोजना का निष्पादन कर रही आरकेटीसी कंपनी ने 20 फरवरी तक लगभग 23 लाख क्यूबिक मीटर ओवी हटाकर कोयला सीम तक पहुंचने की उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। अब मैगजीन फेस से शीघ्र कोयला उत्पादन प्रारंभ होने की तैयारी अंतिम चरण में है।कंपनी के जीएम रेड्डी ने खुले शब्दों में स्वीकार किया है कि एरिया महाप्रबंधक का 100 प्रतिशत सहयोग और मार्गदर्शन मिलने से कार्य युद्ध स्तर पर संभव हो सका है। टीम में अनुशासन, संसाधनों का बेहतर उपयोग और स्पष्ट लक्ष्य — यही कंपनी की सफलता का सूत्र है।मानसून पूर्व दूरदर्शी तैयारीआरकेटीसी कंपनी ने आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने की व्यापक योजना बनाई है। पंप स्थापना के लिए ठीहा निर्माण, ड्रेनेज सिस्टम सुदृढ़ीकरण और मशीनरी की पूर्व तैयारी यह दर्शाती है कि कंपनी केवल वर्तमान उपलब्धि तक सीमित नहीं, बल्कि दीर्घकालिक उत्पादन निरंतरता पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है।अमरकंटक मेन रोड के नीचे छिपा कोयला भंडार, बढ़ी संभावनाएँअमलाई ओसीएम के सामने से गुजरने वाली अमरकंटक मेंन रोड के नीचे भी विशाल कोयला भंडार होने की जानकारी सामने आई है। सूत्रों के अनुसार, इस क्षेत्र के लिए टेंडर प्रक्रिया प्रस्तावित है और वर्तमान कार्य प्रगति व दक्षता को देखते हुए संभावना जताई जा रही है कि यह जिम्मेदारी भी आरकेटीसी कंपनी को मिल सकती है। यदि ऐसा होता है तो यह कंपनी की कार्यकुशलता और विश्वसनीयता की बड़ी स्वीकृति मानी जाएगी।क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मिलेगा नई ऊर्जाअमलाई ओसीएम में कोयला उत्पादन प्रारंभ होने के साथ ही सोहागपुर एरिया में औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद है। परिवहन, मशीनरी, अनुबंध सेवाओं और स्थानीय रोजगार के अवसरों में वृद्धि संभावित है।अनुशासित 8 घंटे की कार्यप्रणाली और लक्ष्य आधारित रणनीति से परियोजना को समय पर पूर्ण करने की दिशा में प्रबंधन पूरी तरह आश्वस्त है। अमलाई ओसीएम में जो प्रगति आज दिखाई दे रही है, वह मजबूत नेतृत्व, संगठित टीमवर्क और पेशेवर प्रतिबद्धता का परिणाम है।2

सरकारी टोला, कुदरा टोला में वर्षों पुरानी पेयजल समस्या का समाधान वार्डवासियों में खुशी की लहर

धनपुरी। धनपुरी नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 24 स्थित सरकारी टोला कुदरा टोला में लंबे समय से चली आ रही पेयजल आपूर्ति की समस्या का समाधान हो गया है। वर्षों से इस क्षेत्र के कई मोहल्लों में नियमित पानी सप्लाई नहीं हो पा रही थी, जिससे स्थानीय रहवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब नगर पालिका के प्रयासों से घर-घर पानी पहुंचना शुरू हो गया है, जिससे क्षेत्र में हर्ष का वातावरण है।बताया जाता है कि सरकारी टोला कुदरा टोला के कुछ हिस्सों में पाइपलाइन तो बिछी थी, लेकिन तकनीकी खामियों, कम प्रेशर और लाइन लीकेज जैसी समस्याओं के कारण पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा था। कई परिवारों को दूर-दराज के हैंडपंप या निजी साधनों पर निर्भर रहना पड़ता था। गर्मी के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती थी।नगर पालिका द्वारा समस्या को गंभीरता से लेते हुए संबंधित क्षेत्र का सर्वे कराया गया। इसके बाद पाइपलाइन की मरम्मत, नई लाइन का विस्तार, लीकेज सुधार और जलदाब (प्रेशर) संतुलन जैसे कार्य कराए गए। अधिकारियों के अनुसार जल टंकी से सप्लाई व्यवस्था को व्यवस्थित करते हुए नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि भविष्य में इस तरह की परेशानी दोबारा उत्पन्न न हो।स्थानीय नागरिकों ने बताया कि वर्षों बाद नलों में नियमित पानी आने से बड़ी राहत मिली है। महिलाओं और बुजुर्गों को अब पानी भरने के लिए दूर नहीं जाना पड़ रहा है। वार्डवासियों ने नगर पालिका के इस प्रयास की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया है।नगर पालिका वार्डों में मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना प्राथमिकता है। जहां भी पेयजल या अन्य आवश्यक सेवाओं में कमी है, वहां चरणबद्ध तरीके से सुधार कार्य किए जा रहे हैं।वार्ड क्रमांक 24 में जलापूर्ति सुचारु होने से अब क्षेत्र के लोगों को स्वच्छ पेयजल नियमित रूप से उपलब्ध हो रहा है, जिससे दैनिक जीवन सुगम हुआ है और क्षेत्र में संतोष का वातावरण देखा जा रहा है।

2.50 करोड़ की लागत से बनेगा मऊ भन्नी चरखरी पहुंच मार्ग

विधायक एवं सांसद का जताया आभार

ब्यौहारी। शहडोल जिले के विधानसभा ब्यौहारी क्षेत्र अंतर्गत मऊ की जनता से जुड़ी पुरानी मांग चौरिहा टोला की सड़क 2 कडोर नब्बे लाख में बनगी जिसका भूमिपूजन शीघ्र ही होगा कार्यक्रम के दौरान विधायक द्वारा मंच पर किया गया वादा जो अब पूरा हुआ - भाजपा राजनेता गंगादीन राठौर जीडी ने सांसद डां. राजेश मिश्रा , क्षेत्रीय विधायक शरद कोल के सामने मंच पर अपने भाषण के दौरान मांग रखी थी जिसको गंभीरता से लेते हुए स्वीकृति किया था जो कि नवीन पहुँच मार्ग मऊ से होते हुए श्री बाबा महराज धाम , चिपाढ़नाथ धाम, भन्नी,भमरहा, चरखरी,खरपा , पहुंच मार्ग के निर्माण को विधिवत केंद्रीय बजट 2026 -27 पर मध्य प्रदेश विधानसभा सत्र में स्वीकृत प्रदान कर दी गई है इस रोड के बनने सेमऊ के आमजन को अब मिलेगा रोजगार नए आयाम एवं विकास के द्वार खुलेंगे क्योंकि यह सड़क मऊ को शहडोल सीधी स्टेट हाईवे से भी जोडेगा। उक्त सड़क के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पंचायत ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का भी धन्यवाद ज्ञापित किया है देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पूरे मध्य प्रदेश में लगातार विकास कार्य हो रहा है

दिन में जंगल तो रात में गांव में पहुंचकर करते हंगामा

62 दिनों से अनूपपुर जिले में ठहरे तीन हाथी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

तीन हाथियों का समूह 62 दिनों से अनूपपुर जिले के अनूपपुर एवं जैतहरी क्षेत्र के इलाकों में निरंतर दिन के समय जंगल में बिताने बाद शाम रात होते ही जंगल से लगे ग्रामीण अंचलों में पहुंचकर ग्रामीणों की संपत्तियों को नुकसान पहुंचा रहे हैं निरंतर ठहरे हाथियों की निगरानी एवं गतिविधि को देखने के लिए वाइल्ड लाइफ स्टूटेनट आंफ इन्डिया पश्चिम बंगाल के हाथी विशेषज्ञों का एक दल ने विगत दिनों हाथियों के स्वभाव का निरीक्षण कर आगे की रणनीति बनाए जाने की बात कही कई दिनों से तीनों हाथी एक एवं दो की संख्या में अलग-अलग होकर धनगवां बीट के जंगल में ही ठहरे हुए हैं। विदित है कि 62 दिनों से तीन हाथियों का समूह छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही वन परिक्षेत्र की सीमा को पार कर एक माह 6 दिन बाद 23 दिसंबर की रात एक बार फिर से मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिला अंतर्गत क्षेत्र के चोलना धनगवां इलाके में प्रवेश कर बचहाटौला, कुकुरगोंड़ा, पड़रिया के चोई के गोढाटोला, भलुवानटोला पडमनिया टोला, ग्राम पंचायत क्योटार के कुशमुहाई गांव से लगे झंडीटोला, पलाडोल, पटौरा से टकहुली, चांदपुर, गुवारी से अमगवां सोनमौहरी होते हुए अनूपपुर क्षेत्र के सेंदुरी, बर्री, भगतबांध से सोन नदी पार कर सीतापुर, बरबसपुर, मैरटोला, भोलगढ़, पौड़ी, खांडा, मानपुर से एक रात को केशवाही वन परिक्षेत्र के रामपुर बीट अंतर्गत बैरिहा गांव में विचरण करते हुए फिर से विगत एक सप्ताह से अधिक समय से जैतहरी के धनगवां बीट अंतर्गत कुकुरगोंड़ा पंचायत के बेल्हाटोला, कोशमटोला, सरईहा ग्राम पंचायत पड़रिया के चोई गांव के भलुवान टोला, गोढाटोला, पडमनिया टोला ग्राम पंचायत क्योटार के ग्राम कुशुमहाई अंतर्गत झंडीटोला, पालाडोल पटौरा से लगे जंगल में दिन के समय जंगल के अंदर विश्राम करने बाद साम रात होते ही खाने की तलाश में ग्रामीण अंचलों में पहुंच रहे हैं जबकि एक दांत वाला नर हाथी अक्सर अकेले निकल कर शाम से पूरी रात विचरण करता है जबकि दो दो दांत वाले हाथी अलग होकर दिन एवं रात के समय अधिकतर दिनों से जंगल के अंदर ही दिन एवं रात के समय विचरण कर रहे है। शुक्रवार एवं शनिवार की मध्य रात्रि एक दांत वाला नर हाथी पड़रिया पंचायत के चोई गांव से लगे भलुवान टोला गोढाटोला एवं पडमनिया टोला में पहुंचकर ग्रामीणों के खेतों में लगे फसलों को रात भर खाता रहा है। हाथियों के निरंतर विचरण पर वन मंडलाधिकारी अनूपपुर के निर्देश पर वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट आफ इंडिया के हाथी विशेषज्ञों का एक दल वन पर क्षेत्र अधिकारी जैतहरी विवेक मिश्रा के साथ जैतहरी के धनगवां बीट में पहुंचकर हाथियों के विचरण एवं हाथियों के स्वभाव का निरीक्षण कर हाथियों के दल को जिले से बाहर किए जाने हेतु योजना बनाए जाने की बात कही है रविवार के दिन तीनों हाथी एक एवं दो की संख्या में अलग-अलग हो कर धनगवां के जंगल में विश्राम एवं विचरण कर रहे हैं।

फूलमती माता मंदिर चरका में हुई बजरंगबली की प्राण प्रतिष्ठा

प्रतिदिन हो रहा राम कथा का आयोजन

ब्यौहारी

जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत चरका के फूलमती माता मंदिर के प्रांगण बजरंगबली बाबा साहब चरका धाम के नाम से जाना जाता है जहां पर वैदेही शरण जी महाराज 108 द्वारा 1 साल तक लगातार बैठकर तप किया प्रांगण में बजरंगबली के नवीन मंदिर का निर्माण कराया गया है नवीन मंदिर में बजरंगबली की स्थापना की गई इसके साथ ही 18 तारीख से 25 तारीख तक श्री राम कथा एवं हनुमत रुद्र महायज्ञ का आयोजन किया गया है आयोजन में ग्राम पंचायत चरखा एवं उसके आसपास के कई गांव के श्रोताओं की भीड़ उमड़ती है यज्ञ आचार्य अमित कृष्ण शास्त्री जी, कथा व्यास तरुण कृष्ण शास्त्री जी महाराज द्वारा किया जा रहा है

प्रतिदिन होता है भंडारा

श्री राम कथा जब से शुरू हुई तभी से कथा में आए हुए श्रद्धालुओं को प्रतिदिन भंडारा भी खिलाया जाता है और प्रतिदिन अलग-अलग तरह का प्रसाद खिचड़ा पूडी सब्जी ,कढ़ी चावल एवं कई तरह के प्रसाद आने वाले श्रोताओं को पंगत में बैठा कर खिलाया जाता है हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में, बनवारी सिंह सरपंच, सुनील द्विवेदी उपसरपंच ग्राम पंचायत चरका, सचिन सिंह मंडल अध्यक्ष, अंकित चतुर्वेदी,विकास द्विवेदी, मृगेंद्र सिंह, नवल किशोर चतुर्वेदी, सुनील सिंह, उमेश सिंह,राजू सिंह , बिहारी पाल, लालजी सिंह, सहित हजारों ग्राम वासी राम कथा एवं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

रिलायंस की हेल्थ स्ट्राइकः देवरी और लालपुर में उमड़ा मरीजों का सैलाब

विशेषज्ञों ने ग्रामीणों की नब्ज टटोली

शहडोल। औद्योगिक विकास के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों की जंग में रिलायंस सीबीएम प्रोजेक्ट ने एक बार फिर अपनी ताकत का अहसास कराया है। प्रोजेक्ट के सीएसआर विंग द्वारा ग्राम देवरी नं. 1 और लालपुर में आयोजित बहुविशेषज्ञ चिकित्सा शिविर ने स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में जी रहे ग्रामीणों के लिए संजीवनी का काम किया। 17 और 19 फरवरी को आयोजित इन शिविरों में रिलायंस की टीम ने न केवल दवाएं बांटीं, बल्कि ग्रामीण अंचल में पसरी बीमारियों के खिलाफ सीधा मोर्चा खोल दिया।

मेडिकल कॉलेज के दिग्गजों ने संभाली कमान- देवरी और लालपुर के इन शिविरों में सुबह से ही मरीजों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। देखते ही देखते आंकड़ा 800 के पार पहुंच गया। रिलायंस ने इस बार कोई खानापूर्ति नहीं की, बल्कि शासकीय बिरसा मुंडा चिकित्सा महाविद्यालय के विशेषज्ञों की पूरी फौज उतार दी। दंत रोग, स्त्री रोग, शिशु रोग और अस्थि रोग विशेषज्ञों ने एक-एक मरीज की गहन जांच की। मुफ्त दवा वितरण और गंभीर मरीजों को रेफर करने की सुव्यवस्थित प्रक्रिया ने रिलायंस के सेवा संकल्प को और भी धारदार बना दिया।

सिर्फ शिविर नहीं, सर्वांगीण विकास है लक्ष्य- लालपुर में शिविर का आगाज करते हुए रिलायंस सीबीएम के साइट हेड राजेश वर्मा ने मंच से हुंकार भरते हुए कहा कि रिलायंस फाउंडेशन का मकसद केवल कागजी कार्रवाई नहीं, बल्कि धरातल पर बदलाव लाना है। उन्होंने दोटूक शब्दों में कहा कि हमारा उद्देश्य परियोजना क्षेत्र के अंतिम घर तक स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण की पहुंच सुनिश्चित करना है। यह सिलसिला थमेगा नहीं, बल्कि और भी आक्रामक तरीके से जारी रहेगा। वहीं साइट सीएसआर हेड राजीव श्रीवास्तव ने स्पष्ट किया कि रिलायंस का निवेश केवल जमीन पर नहीं, बल्कि वहां रहने वाले लोगों के भविष्य पर है। महिला सशक्तिकरण और कौशल विकास जैसे कार्यक्रमों से रिलायंस क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ी लकीर खींच रहा है।

रिलायंस की पहल को मिला जनसमर्थन- शिविर की सफलता इस बात से समझी जा सकती है कि लालपुर सरपंच रामकली बैगा, जनपद सदस्य निसाबी नायक और वरिष्ठ नागरिक अरुण द्विवेदी ने इस पहल को ग्रामीणों के लिए वरदान बताया। ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों का चेहरा देखना तक मुश्किल होता है, वहां रिलायंस ने पूरी अस्पताल की यूनिट खड़ी कर दी।

इनकी मेहनत से सफल हुआ ऑपरेशन हेल्थ- इस महा-अभियान को सफल बनाने में डॉ. समीम खान और अभितेश पांडेय के नेतृत्व में पूरी टीम ने जी-जान लगा दी। रिलायंस की चलित चिकित्सा इकाई के साथ बीरेन्द्र प्रजापति, अभिलाष तिवारी और दर्जनों क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं ने व्यवस्था संभाली। प्रशासन और रिलायंस के बीच इस तालमेल ने यह साबित कर दिया कि अगर नीयत साफ हो, तो विकास की गंगा गांवों तक भी पहुंच सकती है।

खबर संक्षेप

विधायक फुंदेलाल सिंह के आहवान पर जिला कांग्रेस ने किया रेल रोको आंदोलन

अनूपपुर। वेंकटनगर, निगौरा रेलवे स्टेशन में यात्री ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को के आहवान पर जिला कांग्रेस ने क्षेत्र वासियों के साथ वेंकटनगर स्टेशन में किया रेल रोको आंदोलन, लगातार प्रदर्शन के बाद, रेलवे ने दिया लिखित आश्वासन।

पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के वेंकटनगर और निगौरा रेलवे स्टेशन में कोरोना काल के बाद बंद यात्री ट्रेनों के स्टॉपेज की मांग लगातार स्थानीय व आसपास के ग्राम वासियों द्वारा की जा रही है परंतु आज दिनांक तक कोरोना काल से बंद यात्री ट्रेनों का स्टॉपेज पुनः चालू नहीं किया गया। क्षेत्र वासियों ने अपनी मांग क्षेत्रीय विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को के समक्ष रखी जिसे गंभीरता से लेते हुए विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को द्वारा रेलवे प्रशासन से लगातार 3 महीने से वेंकटनगर और निगौरा रेलवे स्टेशन में बंद यात्री ट्रेनों के स्टॉपेज को पुनः चालू मांग की जा रही है, जिसके संबंध में कई बार मंडल रेल प्रबंधक बिलासपुर के नाम ज्ञापन सौंप गया है। परंतु लगातार मांग के बाद भी वेंकटनगर और निगौरा रेलवे स्टेशन में ट्रेन ठहराव को लेकर कोई कार्यवाही नहीं की गयी। विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने पत्र के माध्यम से रेलवे प्रशासन को एवं स्थानीय प्रशासन कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक को पत्र के माध्यम से रेल रोको आंदोलन का अल्टीमेटम भी दिया गया लेकिन फिर भी ट्रेन ठहराव के लिए ना ही कोई लिखित आश्वासन व ना ही कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई।

दिए गए अल्टीमेटम अनुसार 21 फरवरी को पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को के आहवान पर जिला कांग्रेस कमेटी अनूपपुर द्वारा वेंकटनगर रेलवे स्टेशन में रेल रोको आंदोलन किया गया। रेल रोको आंदोलन की पूर्व में प्राप्त सूचना के अनुसार वेंकटनगर में आज सुबह से पुलिस प्रशासन और रेलवे सुरक्षा बल भारी संख्या में तैनात रहा जिससे पूरा वेंकटनगर आज छावनी में तब्दील हो गया। रेल रोको आंदोलन के तहत विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को के अगुवाई में जैसे कांग्रेसजन व स्थानीय जन ट्रेन रोकने के लिए आगे बढ़ने लगे तभी भारी संख्या में तैनात पुलिस व रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारियों ने घेराबंदी कर उन्हें वेंकटनगर चौराहे पर रोक दिया, जिसके बाद आंदोलनकारी चौराहे पर ही धरने पर बैठकर जमकर नारेबाजी करते हुए डटे रहे। कुछ घंटे बीत जाने के बाद रेलवे प्रशासन का एक दल अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के साथ पहुंचा और लिखित में 2 माह के भीतर 20 अप्रैल तक मांग अनुसार यात्री ट्रेनों के स्टॉपेज वेंकटनगर और निगौरा रेलवे स्टेशन में पुनः चालू करने का आश्वासन दिया गया। इस दौरान विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने कहा कि अगर 20 अप्रैल तक यात्री ट्रेन का स्टॉपेज पुनः चालू नहीं किया जाता तो 21 अप्रैल को हम पुनः रेल रोको आंदोलन करेंगे और आज यहां उपस्थित सभी अधिकारी इसे अभी से हमारी सूचना माने, क्योंकि अगर मांग पूरी नहीं हुई तो वेंकटनगर से निगौरा के बीच कहीं पर भी रेल रोको आंदोलन किया जा सकता है इसलिए आप सभी से निवेदन है कि दिए गए आश्वासन अनुसार मांगों को पूरा किया गया। इस मौके पर वर्तमान, पूर्व जनप्रतिनिधिगण, जिला कांग्रेस के वर्तमान एवं पूर्व पदाधिकारीगण, मोर्चा संगठन जिलाध्यक्ष, विभाग प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष, ब्लॉक, मंडलम, सेक्टर पदाधिकारीगण, सरपंच, पंच, के साथ भारी संख्या में आमजन उपस्थित रहें।

प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना में 'पुल-पुलिया' की पोल

खेल ग्राउंड बना खंडहर, मजदूरों की मजदूरी गायब

रौसरखार पंचायत में विकास नहीं, भ्रष्टाचार की सड़क तैयार

अनूपपुर जिले की ग्राम पंचायत रौसरखार में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के नाम पर विकास की जो तस्वीर दिखाई गई थी, वह अब कागजों से निकलकर ज़मीनी सच्चाई में बदहाली की कहानी बन गई है। सड़क निर्माण के दौरान पुल-पुलिया टूटने लगे, खेल ग्राउंड उपयोग लायक नहीं रहा और ग्रामीण मजदूरों को महीनों से मजदूरी नहीं मिली है। अब ग्रामीणों ने अनुविभागीय दंडाधिकारी को शिकायत सौंपकर पूरे मामले की परतें खोल दी हैं।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले के पुष्पराजगढ़ जनपद क्षेत्र के रौसरखार ग्राम पंचायत में चल रहे पीएमजीएसवाई सड़क निर्माण, खेल ग्राउंड और सी.सी. रोड के कार्यों में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने प्रशासन के दरवाजे खटखटाए हैं। शिकायत में बताया गया है कि सड़क अभी पूरी भी नहीं हुई और पुल-पुलिया टूटने लगे, जो घटिया सामग्री और तकनीकी मानकों की खुलेआम अनदेखी का सबूत है। खेल ग्राउंड निर्माण में स्थानीय मजदूरों से काम तो कराया गया, लेकिन आज तक उनकी मजदूरी का भुगतान नहीं हुआ है। वहीं, निर्माण की गुणवत्ता इतनी खराब है कि ग्राउंड अब उपयोग के लायक भी नहीं बचा है। सी.सी. रोड निर्माण में मोटाई, क्योरिंग और गुणवत्ता मानकों की धज्जियां उड़ाई गईं, जिससे माप पुस्तिका और वास्तविक कार्य में अंतर की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी धन का समुचित उपयोग नहीं हुआ और उन्हें अधूरा व घटिया निर्माण थमा दिया गया है। अब मांग है कि जांच हो, दोषियों पर कार्रवाई हो और मजदूरों को उनका हक मिल सके।

सड़क बनी, पुल पहले टूटा

प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत रौसरखार से भालूखोदरा तक बन रही सड़क भ्रष्टाचार की मिसाल बन गई है। सड़क निर्माण जारी रहते ही पुल-पुलिया का टूटना यह साफ करता है कि निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल हुआ है। तकनीकी मानकों को ताक पर रखकर किए गए कार्य से ग्रामीणों में आक्रोश है। सवाल उठता है कि जब शुरुआत ही इतनी कमजोर है, तो यह सड़क कितने दिन टिकेगी?

खेल ग्राउंड बना मजाक

जिस खेल ग्राउंड से युवाओं को खेल और गांव को पहचान मिलनी थी, वह आज बदहाली का शिकार है। घटिया गुणवत्ता के कारण ग्राउंड क्षतिग्रस्त हो चुका है और उपयोग के योग्य नहीं बचा है। ग्रामीणों का कहना है कि कागजों में लाखों खर्च हो गए, लेकिन ज़मीन पर सिर्फ मिट्टी और दरारें दिखती हैं।

मजदूरों की मजदूरी पर ताला

खेल ग्राउंड और अन्य निर्माण कार्यों में स्थानीय ग्रामीण मजदूरों से काम तो पूरा कराया गया, लेकिन उनकी मजदूरी आज तक नहीं दी गई है। गरीब मजदूर दर-दर भटक रहे हैं और जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं। यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि सीधा-सीधा आर्थिक शोषण बताया जा रहा है।

सीसी रोड में मानकों की हत्या

सीसी रोड निर्माण में निर्धारित मोटाई, क्योरिंग और गुणवत्ता मानकों का पालन नहीं किया गया। आरोप है कि मशीनों की जगह मजदूरों से काम कराना सिर्फ दिखावा था, जबकि असल में गुणवत्ता पर कोई निगरानी नहीं रही। माप पुस्तिका और ज़मीनी हकीकत में अंतर की जांच की मांग तेज हो गई है।

जांच नहीं तो आंदोलन तय

ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि तय समय-सीमा में तकनीकी जांच, मजदूरी भुगतान और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे कानूनी और प्रशासनिक लड़ाई लड़ेंगे। ग्रामीणों ने फोटो, वीडियो और स्थल निरीक्षण जैसे सबूत देने की भी बात कही है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस शिकायत को दबाता है या भ्रष्टाचार की सड़क पर ब्रेकर लगाता है।

फुनगा चौकी द्वारा 11 पेटी शराब जब्ती के बाद गहराए सवाल, बाइक से परिवहन पर संशय जमुना कॉलोनी दबिश से मामला गरमाया

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। फुनगा चौकी पुलिस द्वारा ग्राम पाली सिटका टोला के मौहार जंगल क्षेत्र से 11 पेटी अंग्रेजी शराब (करीब 96.480 लीटर) और एक टीवीएस राइडर मोटरसाइकिल जब्त किए जाने की कार्रवाई के बाद अब पूरा मामला सवालों के घेरे में है पुलिस ने आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपियों के अंधेरे का लाभ उठाकर फरार होने की बात कही है। स्थानीय स्तर पर सबसे बड़ा प्रश्न यह उठ रहा है कि एक मोटरसाइकिल से 11 पेटी शराब का परिवहन किस प्रकार संभव है आम तौर पर एक बाइक पर दो से तीन पेटी से अधिक शराब ले जाना कठिन माना जाता है ऐसे में चर्चा है कि शराब किसी चारपहिया वाहन, कथित रूप से आई 10 कार, से लाई गई थी हालांकि पुलिस द्वारा किसी कार की जब्ती या उसके संबंध में आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। घटनाक्रम ने उस समय और तूल पकड़ लिया जब अगले दिन सुबह पुलिस टीम के जमुना कॉलोनी पहुंचकर कुछ संदिग्धों की तलाश करने की बात सामने आई जबकि न तो किसी आरोपी का नाम उजागर किया गया और न ही गिरफ्तारी दर्शाई गई ऐसे में सवाल उठ रहा है कि दबिश किन आधारों पर दी गई और किन लोगों की तलाश की जा रही थी। क्षेत्र में लेनदेन और मामले को रफा-दफा करने की चर्चाएं भी आम हैं, हालांकि इन आरोपों के समर्थन में कोई ठोस साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं इसके बावजूद पारदर्शिता को लेकर जनमानस में संदेह की स्थिति बनी हुई है। क्षेत्रीय नागरिकों ने मांग की है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष व उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा पुलिस अधीक्षक मोती-उर-रहमान स्वयं संज्ञान लेकर वास्तविक परिवहन माध्यम और तस्करी में संलिप्त व्यक्तियों की स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक करें, ताकि भ्रम की स्थिति समाप्त हो सके।

इनका कहना है:

"मैं अभी छुट्टी से वापस आ रहा हूं, कल सुबह आ जाऊंगा फिर भी मामले की तत्काल जानकारी ले रहा हूं बाइक में एक बार में 11 पेटी शराब लाना संभव नहीं हैं।

विपुल शुक्ला थाना प्रभारी भालूमाड़ा

अनूपपुर में बोर्ड परीक्षा पर संकट के बादल, 26 फरवरी से बहिष्कार तय

पटवारी वेतन संकट, कलेक्टर प्रतिनिधि ड्यूटी से हटने का ऐलान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर जिले में दसवीं/बारहवीं बोर्ड परीक्षा की तैयारियों के बीच एक साथ दो बड़ी चुनौतियां सामने आ गई हैं। एक ओर वेतन भुगतान और लंबित मांगों से जूझ रहे पटवारियों ने कलेक्टर प्रतिनिधि की परीक्षा ड्यूटी से हटने का ऐलान कर दिया है, तो दूसरी ओर प्रशासनिक उदासीनता के आरोप भी तेज हो गए हैं। पटवारी संघ ने 25 फरवरी तक ड्यूटी निभाने और 26 फरवरी से पूर्ण बहिष्कार की चेतावनी दी है। मध्यप्रदेश पटवारी संघ जिला इकाई अनूपपुर द्वारा माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल को भेजे गए पत्र ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। संघ ने साफ कर दिया है कि आर्थिक तंगी और वेतन भुगतान में देरी के चलते अब पटवारी बोर्ड परीक्षाओं में "कलेक्टर प्रतिनिधि" की ड्यूटी निभाने की स्थिति में नहीं हैं। पत्र में उल्लेख किया गया है कि हड़ताल समाप्त हुए आठ दिन से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अब तक न वेतन का भुगतान हुआ और न ही अन्य समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए गए। इससे पटवारियों की आर्थिक हालत इतनी कमजोर हो गई है कि परिवार का भरण-पोषण, बच्चों की फीस, राशन, लोन और ईंधन जैसी बुनियादी जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो गया है। संघ ने बच्चों के भविष्य को देखते हुए 25 फरवरी तक परीक्षा ड्यूटी जारी रखने की सहमति दी है, लेकिन 26 फरवरी से कलेक्टर प्रतिनिधि की ड्यूटी का पूर्ण बहिष्कार करने का निर्णय लिया गया है।

वेतन संकट ने पटवारियों की तोड़ी कमर

पटवारी संघ का कहना है कि लंबे समय से वेतन नहीं मिलने के कारण अधिकांश पटवारी गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। हालात यहां तक पहुंच गए हैं कि कई कर्मचारियों के पास रोजमर्रा के खर्च, बच्चों की शिक्षा और पारिवारिक जिम्मेदारियों को निभाने के लिए संसाधन नहीं बचे हैं। ऐसे में बोर्ड परीक्षा जैसी जिम्मेदार और संवेदनशील ड्यूटी निभाना उनके लिए असंभव हो गया है।

प्रशासनिक उदासीनता पर गंभीर सवाल

संघ ने जिला प्रशासन पर आरोप लगाया है कि हड़ताल समाप्ति के बाद भी समस्याओं के निराकरण को लेकर कोई गंभीरता नहीं दिखाई गई है। न वेतन भुगतान को प्राथमिकता दी गई और न ही पटवारियों की अन्य मांगों पर कोई ठोस निर्णय लिया गया है। इसी प्रशासनिक उदासीनता के चलते हालात टकराव की ओर बढ़ते नजर आ रहे हैं।

25 तक ड्यूटी 26 से बहिष्कार तय

पटवारी संघ ने स्पष्ट किया है कि छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए 25 फरवरी तक वे कलेक्टर प्रतिनिधि के रूप में बोर्ड परीक्षा ड्यूटी निभाते रहेंगे। इसके बाद 26 फरवरी से इस ड्यूटी का पूर्ण बहिष्कार किया जाएगा। साथ ही प्रशासन से मांग की गई है कि वैकल्पिक सक्षम अधिकारियों की नियुक्ति और उनके प्रशिक्षण की तत्काल व्यवस्था की जाए, ताकि परीक्षा व्यवस्था प्रभावित न हो।

तीन दिन की गणना में 413 गिद्ध, 123 घोंसलों ने दी संरक्षण की गवाही

अनूपपुर के जंगलों में लौटे 'आसमान के सफाईकर्मी'

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर के जंगलों में एक बार फिर जीवन की उम्मीद ने पंख फैलाए हैं। तीन दिवसीय गिद्ध गणना में 413 गिद्धों का प्रत्यक्ष दर्शन और 123 सक्रिय घोंसलों की पहचान ने यह साफ कर दिया कि संरक्षण के प्रयास रंग ला रहे हैं। कभी विलुप्ति की कगार पर पहुंचे गिद्ध अब फिर से आसमान में मंडराते दिखे है। यह सिर्फ आंकड़ा नहीं, बल्कि पर्यावरण के संतुलन की वापसी की खुशखबरी है। वन मंडल में 20, 21 और 22 फरवरी को चली तीन दिवसीय गिद्ध गणना ने चौंकाने वाले और उत्साहजनक नतीजे दिए हैं। इस दौरान अनुपातिक तौर पर 413 गिद्धों की पहचान की गई, वहीं 123 सक्रिय और 15 निष्क्रिय घोंसले भी दर्ज हुए हैं। एक दशक पहले तक जिले में गिद्धों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई थी, जिससे पर्यावरण और स्वच्छता पर भी खतरा मंडराने लगा था। लेकिन अब हर साल हो रही वैज्ञानिक गणना और संरक्षण प्रयासों ने हालात बदल दिए हैं अनूपपुर, अहिरगवां और राजेंद्रग्राम जैसे वन परिक्षेत्रों में गिद्धों की बढ़ती मौजूदगी यह साबित कर रही है कि जंगल अब फिर से सुरक्षित ठिकाना बन रहे हैं। वन विभाग द्वारा ऐप आधारित फोटो गणना से जुटाए गए आंकड़े इस सफलता की ठोस गवाही देते हैं।

अहिरगवां रेंज बना गिद्धों का गढ़

तीन दिवसीय गणना में सबसे अधिक गिद्ध अहिरगवां वन परिक्षेत्र में पाए गए हैं। जुगवारी, कठौतिया पूर्व और पश्चिम बीट में शुक्रवार को 263, शनिवार को 328 और रविवार को 307 गिद्ध देखे गए हैं। चट्टानों और पेड़ों पर बसे इनके घोंसले बताते हैं कि यह इलाका गिद्धों के लिए सुरक्षित आवास बन चुका है।

अनूपपुर रेंज में देसी और सफेद गिद्धों की मौजूदगी

अनूपपुर वन परिक्षेत्र के किरर, औढ़ेरा और बड़हर बीट में पहले दिन 83, दूसरे दिन 62 और तीसरे दिन 95 गिद्ध नजर आए हैं। यहां देसी गिद्ध और सफेद गिद्धों की मौजूदगी दर्ज की गई है। पहाड़ी इलाकों में बने घोंसले इनकी प्राकृतिक पसंद को दर्शाते हैं।

तीन प्रजातियों ने दर्ज कराई मजबूत उपस्थिति

गणना में तीन प्रमुख प्रजातियां सामने आईं है जिसमें इंडियन (लॉन्ग-बिल्ड) गिद्ध, इजिप्शियन (सफेद/व्हाइट स्कैवेंजर) गिद्ध और व्हाइट-रम्प्ड गिद्ध शामिल है। इनमें इजिप्शियन गिद्धों की संख्या सबसे अधिक पाई गई है जो क्षेत्र में अनुकूल परिस्थितियों का संकेत है।

सुबह की धूप और गिद्धों की गिनती

गणना का कार्य सुबह 6 से 9 बजे तक किया गया है। सूरज की पहली किरणों के साथ गिद्ध अपने घोंसलों से निकलकर चट्टानों और पेड़ों पर बैठते हैं, इसी समय वन अमला फोटो खींचकर ऐप के जरिए आंकड़े दर्ज करता है। यह वैज्ञानिक पद्धति आंकड़ों को और विश्वसनीय बनाती है। इस वर्ष की गणना ने साफ कर दिया है कि गिद्ध संरक्षण अभियान सही दिशा में जा रहा है। पिछले वर्ष की तुलना में संख्या में बढ़ोतरी ने वन विभाग और पर्यावरण प्रेमियों को राहत दी है। यह सिर्फ गिद्धों की वापसी नहीं, बल्कि जंगल के स्वस्थ भविष्य की मजबूत नींव है।

अनूपपुर विकास खण्ड अध्यक्ष पद पर दिग्म्बर शर्मा निर्विरोध निर्वाचित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए ब्लॉक अनूपपुर इकाई के अध्यक्ष पद हेतु निर्वाचन प्रक्रिया 22 फरवरी रविवार को कलेक्ट्रेट परिसर मे संचालित आजीविका दीदी कैन्टीन परिसर में दोपहर 12:00 बजे सम्मानित सदस्यों की उपस्थिति में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई गई। जिला निर्वाचन अधिकारी कमलेश मिश्रा के दिशा-निर्देशानुसार निर्वाचन अधिकारी संतोष मिश्रा और सहायक निर्वाचन अधिकारी प्रदीप मिश्रा द्वारा पूरी प्रक्रिया निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं निर्धारित नियमावली के अनुरूप संपादित की गई। निर्वाचन में उपस्थित समस्त सदस्यों की सर्वसम्मति से दिग्म्बर शर्मा को निर्विरोध ब्लॉक अध्यक्ष अनूपपुर निर्वाचित घोषित किया गया। निर्वाचन अधिकारी संतोष मिश्रा ने बताया कि पूरी कार्यवाही सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई तथा इसकी सूचना जिला इकाई को अभिलेख हेतु प्रेषित कर दी गई है। निर्वाचन उपरांत नवनिर्वाचित अध्यक्ष दिग्म्बर शर्मा ने साथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह दायित्व उनके लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि संगठन के साथियों के विश्वास, स्नेह और जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने आश्वस्त किया कि वे पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण भाव से पत्रकार हितों की रक्षा, संगठन की मजबूती और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे। निर्वाचन के दौरान विकास खण्ड अनूपपुर की कार्यकारिणी मे वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर अरविंद मिश्रा तथा उपाध्यक्ष पद पर अजय नामदेव और दिनेश केवट, महासचिव संस्कार गौतम, कोषाध्यक्ष सुरेश शर्मा, सचिव संतोष चौरसिया, सह सचिव एवं जिला कार्यकारिणी के लिए नॉमिनेट अमित तिवारी, विकासखंड अनूपपुर के कार्यकारी सदस्य के रूप में शंभू दयाल कनौजिया और गुलाब रजक का निर्वाचन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पत्रकार साथियों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष का स्वागत करते हुए संगठन को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। दिग्म्बर शर्मा का अनूपपुर ब्लॉक के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने पर जिले एवं संभाग के राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के पदाधिकारियों एवं सदस्यों हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

भुंडाकोना घाट जंगल में फिर दिखा बाघ का शावक

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक से शहडोल मार्ग स्थित भुंडाकोना घाट जंगल क्षेत्र में 19-20 फरवरी की दरमियानी रात लगभग 12 से 1 बजे के बीच एक बाघ के शावक को देखे जाने की सूचना है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फर्री सेमर के दाहिने ओर के जंगल से निकलकर जालेश्वर की ओर, उमर गोहान दिशा में सड़क पार करते हुए एक शावक बाघ दिखाई दिया। बताया गया है कि अमरकंटक नगर के पत्रकार धनंजय तिवारी के पुत्र अंजय तिवारी मनू अपनी पत्नी के साथ रात्रि में शहडोल से चौपहिया वाहन द्वारा घर लौट रहे थे। इसी दौरान उनके वाहन के सामने से बाघ का शावक सड़क पार करता हुआ दिखाई दिया। अंजय तिवारी ने सावधानी बरतते हुए वाहन की गति धीमी कर दी और शावक को सुरक्षित जंगल की ओर जाते देखा। उस समय मार्ग पर अन्य कोई वाहन नहीं था। घटना की जानकारी अगले दिन वन विभाग के परिक्षेत्र कार्यालय को दी गई। अमरकंटक वन परिक्षेत्र अंतर्गत बाघ की मौजूदगी की सूचना परिक्षेत्राधिकारी वीरेंद्र श्रीवास्तव को भी दे दी गई है। उन्होंने मामले की जांच के निर्देश देते हुए आसपास के ग्रामवासियों एवं वन क्षेत्र के निवासियों से सतर्क रहने, जंगल क्षेत्र से दूरी बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की गतिविधि दिखने पर तत्काल सूचना देने की अपील की है।